भारत सरकार

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या: *70

07 फरवरी, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के बढ़ते मामले

***70. श्री बैजयंत पांडा:**

क्या **स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा देश में, विशेषकर ओडिशा में स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के बढ़ते मामलों की समस्या का समाधान करने के लिए किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है;

(ख) देश में सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस टीके को शामिल किए जाने से संबंधित प्रस्ताव की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ग) क्या सरकार की देश भर में स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर रोग की समस्या से निपटने के लिए विशेष कैंसर इकाइयां स्थापित करने या लक्षित कार्यक्रम शुरू करने की योजना है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री

(श्री जगत प्रकाश नड्डा)

(क) से (घ): विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

07 फरवरी, 2025 के लिए लोक सभा तारांकित प्रश्न सं.70 के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): प्रमुख गैर संचारी रोगों (एनसीडी) अर्थात, उच्च रक्तचाप, मधुमेह, मुख कैंसर, स्तन कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की रोकथाम और नियंत्रण के लिए भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग द्वारा 2010 में अवसंरचना संवर्धन, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य संवर्धन, शीघ्र निदान, प्रबंधन और उपयुक्त स्तर के किसी स्वास्थ्य परिचर्या सुविधा केंद्र को रेफ़र करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए राष्ट्रीय गैर संचारी रोग रोकथाम, नियंत्रण कार्यक्रम शुरू किया गया था। इस कार्यक्रम के अंतर्गत, देश भर में 770 जिला एनसीडी क्लीनिक, 233 कार्डियक परिचर्या इकाइयां (सीसीयू), 372 जिला डे केयर केंद्र और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में 6410 एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

ओडिशा में 30 जिला एनसीडी क्लीनिक, 12 कार्डियक परिचर्या इकाइयां (सीसीयू), 32 डे-केयर केंद्र और 414 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्थापित किए गए हैं।

भारत सरकार का स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के भाग के रूप में राष्ट्रीय गैर संचारी रोग निवारण और नियंत्रण कार्यक्रम के तहत राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहायता प्रदान करता है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत अवसंरचना संवर्धन, मानव संसाधन विकास, शीघ्र निदान, उपचार और प्रबंधन के लिए उपयुक्त स्तर के स्वास्थ्य परिचर्या केंद्र को रेफ़र करने और स्वास्थ्य संवर्धन और स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर सहित गैर संचारी रोगों (एनसीडी) के निवारण के लिए जागरुकता सृजन पर ध्यान केंद्रित किया जाता है।

मान्यताप्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) जनसंख्या के 30 वर्ष और उससे अधिक आयु के सभी व्यक्तियों के लिए समुदाय आधारित आकलन जांच सूची का (सीबीएसी) प्रबंधन करती हैं। सीबीएसी के माध्यम से गैर संचारी रोगों के जोखिम का आकलन किया जाता है और उच्च जोखिम वाले व्यक्तियों को एनएचएम के तहत व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के भाग के रूप में स्तन कैंसर और गर्भाशय कैंसर सहित सामान्य एनसीडी की जांच के लिए रेफ़र किया जाता है।

एनपी-एनसीडी की जांच और उसका प्रबंधन तथा स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर सहित पांच सामान्य एनसीडी हेतु निरंतर परिचर्या सुनिश्चित करने के लिए भारत सरकार ने 2018 में राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल शुरू किया है। राष्ट्रीय एनसीडी पोर्टल के अनुसार, स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच के रोग-वार आंकड़े निम्नानुसार हैं:

रोग	की गई जांच	किए गए निदान	उपचाराधीन
स्तन कैंसर	146101583	57184	50612
गर्भाशय कैंसर	90080282	96747	86196

जनसंख्या आधारित जांच से प्रारंभिक अवस्था में ही पता लगाने , अनुवर्ती कार्रवाई और उपचार अनुपालन द्वारा रोग के बेहतर प्रबंधन में मदद मिलती है। विभिन्न श्रेणियों के स्वास्थ्य स्टाफ़ अर्थात नर्सों, एएनएम, आशा कर्मियों और चिकित्सा अधिकारियों के प्रशिक्षण के लिए जांच, प्रबंधन और एनसीडी के लिए जागरुकता सृजन संबंधी प्रशिक्षण माड्यूल तैयार किए गए हैं।

आशाकर्मी समुदाय में स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर सहित गैर संचारी रोगों (एनसीडी) के बारे में जागरूकता फ़ैलाने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं। आशाकर्मी व्यक्तियों और परिवारों को पौष्टिक आहार, नियमित शारीरिक कार्यकलाप करने और तंबाकू और अल्कोहल से बचने सहित स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की महत्ता के बारे में शिक्षित करती हैं। आशाकर्मी गृह यात्रा, समूह बैठकों और स्वास्थ्य में भागीदारी द्वारा समय पर देखभाल करके नियमित स्वास्थ्य जांच और स्क्रीनिंग द्वारा शीघ्र निदान की महत्ता पर जोर देते हैं।

एनपी-एनसीडी कार्यक्रम में राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा एनसीडी के लिए किए जाने वाले जागरुकता सृजन कार्यकलापों के लिए जिला स्तर पर 3 से 5 लाख रुपए और राज्य स्तर पर 50 से 70 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

ओडिशा में स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के लिए आदिनांक स्क्रीनिंग के रोग-वार आंकड़ों का ब्यौरा निम्नानुसार है:

रोग	की गई जांच	किए गए निदान	उपचाराधीन
स्तन कैंसर	84,90,609	1,051	361
गर्भाशय ग्रीवा कैंसर	33,16,442	1,422	444

ओडिशा राज्य सरकार ने सूचित किया है कि ग्रामीण स्तर पर 30 वर्ष से अधिक आयु की महिलाओं की स्तन कैंसर और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच की जाती है। गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच एसिटिक एसिड (वीआईए) के माध्यम से विजुअल जांच द्वारा और स्तन कैंसर की जांच नैदानिक स्तन जांच द्वारा की जाती है। पेप स्मीयर और बायोप्सी जैसे अन्य परीक्षण चिकित्सा सुविधा केंद्रों पर उपलब्ध हैं। मेमोग्राफ़ी, सीटी स्कैन, एम आर आई, एक्स रे और प्रतिरक्षा परीक्षण सहित नि:शुल्क निदान सेवायें जन स्वास्थ्य केंद्रों में प्रदान की जाती हैं। जिला अस्पताल भी गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के लिए कोल्पोस्कोपी और थर्मोकोगुलेशन प्रदान करते हैं। सर्जरी, कीमोथेरेपी और प्रशामक परिचर्या सहित नि:शुल्क कैंसर उपचार सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध हैं। निरामया (ओडिशा राज्य सरकार द्वारा नि:शुल्क औषधि पहल) के माध्यम से कैंसर रोधी दवायें प्रदान की जाती हैं। स्वास्थ्य परिचर्या कर्मियों को स्तन जांच के लिए प्रशिक्षित किया जाता है और कैंसर निवारण और उपचार के बारे में जनता को शिक्षित करने के लिए जागरुकता अभियान शुरु किए गए हैं।

(ख): सार्वभौमिक प्रतिरक्षण कार्यक्रम (यूआईपी) के अंतर्गत वैक्सीन द्वारा रोकथाम किए जा सकने वाले 12 रोगों के लिए 11 वेक्सीन प्रदान किए जाते हैं। एचपीवी वैक्सीन यूआईपी का भाग नहीं हैं।

(ग) और (घ): केंद्रीय सरकार विशिष्ट कैंसर परिचर्या हेतु सुविधा केंद्रों का संवर्धन करने के लिए विशिष्ट कैंसर परिचर्या केंद्रों का सुदृढ़ीकरण योजना लागू करती है। इस स्कीम के अंतर्गत 19 राज्य कैंसर संस्थान (एससीआई), जिनमें आचार्य हरिहर क्षेत्रीय कैंसर केंद्र, कटक सहित 20 विशिष्ट कैंसर परिचर्या केंद्रों (टीसीसीसी) को मंजूरी दी गई है।

सभी 22 नए एम्स में निदान, चिकित्सा और सर्जिकल सुविधाओं सहित कैंसर उपचार सुविधा केंद्रों को मंजूरी दी गई है।

झज्जर (हरियाणा) स्थित राष्ट्रीय कैंसर संस्थान और चितरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान, कोलकाता का दूसरा परिसर अत्याधुनिक निदान, उन्नत रेडिएशन, चिकित्सा और सर्जिकल परिचर्या सुविधाओं के साथ स्थापित किए गए हैं।

******